विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत
प्राथमिक कक्षाओं हेतु

सरस्वती के पावन आँगन की, हम गुन्जित किलकारी।
भारत भाल सजाने वाले, नन्हीं-नन्हीं फुलवारी।।

1. सात स्वरों से साज सजाकर, राज दिलों पर करते हैं।
नटखट चाल-चलन बोली से, सबके मन में रहते हैं।।
मातु-पिता गुरू आज्ञा पालन, श्रद्धा सेवा धारी।
भारत भाल सजाने.....।।

2. शेखर, बोस, जोरावर जैसे देश धर्म के सेनानी।
राष्ट्र की रक्षा पर बलि जाएं सूर वीर हम बलिदानी।।
रोम-रोम में देश की सेवा, की निकले चिनगारी।
भारत भाल सजाने.....।।

3. ऊँच-नीच का भेद मिटाकर आगे बढ़ते जायेंगे।
हिल-मिल कर सब काम करेंगे अपना धर्म निभायेंगे।।
वैभव होगा भारत माँ का हम लें जिम्मेदारी।
भारत भाल सजाने.....।।

रचनाकार
श्री बाल कृष्ण शर्मा
महाकौशल प्रान्त, मध्य क्षेत्र
मोबाइल-9893214424